* MCQ [13]

1. 'किंतु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती।'
   बिस्मिल को अपनी किस इच्छा के पूर्ण न होने की आशंका थी?
   (A) भारत माता के साथ रहने की
   (B) अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहने की
   (C) अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने की
   (D) भोग विलास तथा ऐश्वर्य भोगने की

   जवाब : अपनी माँ की जीवनपर्यंत सेवा करने

2. रामप्रसाद बिस्मिल की माँ का सबसे बड़ा आदेश क्या था?
   (A) देश की सेवा करें
   (B) कभी किसी के प्राण न लेना
   (C) कभी किसी से छल न करना
   (D) सदा सच बोलना

   जवाब : कभी किसी के प्राण न लेना

3. बिस्मिल की बहनों को छोटी आयु में शिक्षा कौन दिया करता था ?
   (A) आचार्य (B) उनकी माताजी (C) पिताजी (D) दादी जी

   जवाब : (ख) उनकी माताजी

4. माताजी ने गृहकार्य की शिक्षा किससे प्राप्त की?
   (A) दादी जी (B) परिवार से
   (C) सहेलियों से (D) दादी जी को छोटी बहन से

   जवाब : (ग) सहेलियों से

5. दादीजी ने अपनी छोटी बहन को कहाँ बुलाया था ?
   (A) शाहजहाँपुर (B) दिल्ली (C) लखनऊ (D) गाँव में

   जवाब : (क) शाहजहाँपुर

6. रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने कौन-सा लोकप्रिय तराना लिखा था ?
   (A) जय हो (B) वंदेमातरम
   (C) सरफ़रोशी की तमन्ना (D) ऐ मेरे वतन के लोगों

   जवाब : (ग) सरफ़रोशी की तमन्ना

7. " धर्म – रक्षार्थ अपने पुत्रों की मृत्यु की खबर सुनी तो प्रसन्न हुई और अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई बाँटी थी-" बिस्मिल द्वारा लिखे इस कथन में किनकी बात हो रही है?
   (A) गुरु गोविंद सिंह जी की धर्मपत्नी जी
   (B) बिस्मिल जी की माता जी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(C) अपनी दादी जी की छोटी बहन की

(D) अपनी माता जी की

जवाब : (क) गुरु गोविंद सिंह जी की धर्मपत्नी जी

8. "मुझे विश्वास है कि तुम यह समझकर धैर्य धारण करोगी। " बिस्मिल जी ने अपनी माता जी से ऐसा क्यों कहा?

(A) क्योंकि उनका पुत्र कायरता का जीवन नहीं जीना चाहता था।

(B) भारत माता की सेवा करते हुए प्राण न्योछावर कर देना चाहता था।

(C) माताओं की माता 'माँ भारती' के लिए पुत्र द्वारा सर्वस्व न्योछावर कर देने पर बिस्मिल की माँ को गर्व होगा।

(D) उपर्युक्त सारे कथन सही हैं।

जवाब : (घ) उपर्युक्त सारे कथन सही हैं।

9. रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म कब हुआ ?

(A) 1897 (B) 1898 (C) 1899 (D) 1900

जवाब: (A) 1897

10. किस वर्ष की आयु में रामप्रसाद जी को अंग्रेज़ सरकार द्वारा फाँसी पर लटका दिया गया ?

(A) दस (B) तीस (C) पचास (D) बीस

जवाब : B

व्याख्या : तीस वर्ष की आयु में रामप्रसाद जी को अंग्रेज़ सरकार द्वारा फाँसी पर लटका दिया गया।

11. 'मेरी माँ' पाठ किस विधा के अन्तर्गत आता है?

(A) जीवनी (B) आत्मकथा (C) यात्रावृत्तांत (D) कहानी

जवाब : (C) यात्रावृत्तांत

12. रामप्रसाद जी की किसमें जाने की बड़ी इच्छा थी ?

(A) कलकत्ता कांग्रेस (B) मेरठ कांग्रेस (C) कानपुर कांग्रेस (D) लखनऊ कांग्रेस

जवाब : D

व्याख्या : रामप्रसाद जी को लखनऊ कांग्रेस में जाने की बड़ी इच्छा थी।

13. किसको रामप्रसाद जी के कार्य अच्छे न लगते थे ?

(A) पिताजी (B) माता जी (C) दादा जी (D) चाची जी

जवाब: (A) पिताजी

*** सही जोड़ मिलाए :** **[5]**

14.

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. देवनागरी	A. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की।
2. आर्यसमाज	B. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति इटली का मसीहा था जिसने लोगों को एक सूत्र में बाँधा ।
3. मेजिनी	C. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. गोबिंद सिंह	D. भारत की एक भाषा लिपि जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं।

जवाब :

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. देवनागरी	D. भारत की एक भाषा लिपि जिसमें हिंदी, संस्कृत, मराठी आदि भाषाएँ लिखी जाती हैं।
2. आर्यसमाज	C. महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित एक संस्था ।
3. मेजिनी	B. इटली के गुप्त राष्ट्रवादी दल का सेनापति इटली का मसीहा था जिसने लोगों को एक सूत्र में बाँधा ।
4. गोबिंद सिंह	A. सिखों के दसवें और अंतिम गुरु थे। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की।

*** दिए गए पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :** [15]

15. उन्होंने हिंदी पढ़ना आरंभ किया। पढ़ने का शौक उन्हें खुद ही पैदा हुआ था। मुहल्ले की सखी-सहेली जो घर पर आया करती थीं, उन्हीं में जो शिक्षित थीं, माताजी उनसे अक्षर-बोध करतीं। इस प्रकार घर का सब काम कर चुकने के बाद जो कुछ समय मिल जाता, उसमें पढ़ना-लिखना करती । परिश्रम के फल से थोड़े दिनों में ही वह देवनागरी पुस्तकों का अध्ययन करने लगीं। मेरी बहनों को छोटी आयु में माताजी ही शिक्षा दिया करती थीं। जब से मैंने आर्यसमाज में प्रवेश किया, माताजी से खूब वार्तालाप होता । उस समय की अपेक्षा अब उनके विचार भी कुछ उदार हो गए हैं। यदि मुझे ऐसी माता न मिलतीं तो मैं भी अि साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फँसकर जीवन निर्वाह करता।

प्रश्न-

(क) गद्यांश के आधार पर किसने पढ़ना आरंभ किया?

(ख) लेखक के मन पर किसका प्रभाव पड़ा? इस प्रभाव का क्या परिणाम हुआ?

(ग) “ऐसी माता न मिलती तो मैं भी अति साधारण मनुष्यों की भाँति संसार-चक्र में फँसकर जीवन निर्वाह करता ” वाक्य का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

जवाब : (क) श्री रामप्रसाद ‘बिस्मिल’ जी की माता ने पढ़ना आरंभ किया।

(ख) लेखक के मन पर अपनी माँ के द्वारा दिए गए जीवन-मूल्यों और आदर्शों का प्रभाव पड़ा। माँ की प्रेरणा से ‘बिस्मिल’ जी में कर्तव्य परायणता, निष्ठा, देशसेवा और समर्पण जैसे गुणों का समावेश हुआ।

(ग) अक्सर मनुष्य जीवन के रोजमर्रा के कार्य और जीवनयापन में ही उलझकर रह जाता है। जीते तो सभी हैं लेकिन ‘बिस्मिल’ जी में माँ के प्रभाव के कारण माताओं की माता ‘भारत माता’ के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की हिम्मत और चाह जाग्रत हुई।

16. जन्मदात्री जननी! इस जीवन में तो तुम्हारा ऋण उतारने का प्रयत्न करने का भी अवसर न मिला। इस जन्म में तो क्या यदि मैं अनेक जन्मों में भी सारे जीवन प्रयत्न करूँ तो भी तुमसे उऋण नहीं हो सकता। जिस प्रेम तथा दृढ़ता के साथ तुमने इस तुच्छ जीवन का सुधार किया है, वह अवर्णनीय है।

प्रश्न 1.लेखक को किसका ऋण उतारने का अवसर नहीं मिला? सही विकल्प चुनिए-

(क) जन समाज का

(ख) परिवार का

(ग) अपनी माँ का

(घ) देश का

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 2.उऋण का अर्थ है-
(क) बलिदान देना
(ख) मुक्ति की आकांशा
(ग) सेवा भावना
(घ) ऋण से मुक्त

प्रश्न 3.माता जी के प्रेम और दृढ़ता का उचित उदाहरण चुनिए-
(क) देश सेवा की ओर अग्रसर करना
(ख) बिस्मिल जी को शिक्षित करना
(ग) धार्मिक तथा सामाजिक उन्नति में सहयोग
(घ) उपर्युक्त सारे विकल्प सही है।

प्रश्न 4.अवर्णनीय शब्द का अर्थ है-
(क) उचित वर्णन
(ख) जिसका वर्णन न किया जा सके
(ग) सुंदर वर्णन
(घ) आज्ञाशील

प्रश्न 5.उपर्युक्त गद्यांश के लेखक का सही नाम चुनिए-
(क) श्री चंद्रशेखर आजाद
(ख) श्री रामप्रसाद 'बिस्मिल'
(ग) श्री रामप्रासाद बिस्मिल
(घ) सरदार भगतसिंह

जवाब : 1.(ग) अपनी माँ का
2.(घ) ऋण से मुक्त
3.(घ) उपर्युक्त सारे विकल्प सही है।
4.(ख) जिसका वर्णन न किया जा सके
5.(ख) श्री रामप्रसाद 'बिस्मिल'

17. जीवन भर में कोई कष्ट अनुभव न किया। इस संसार में मेरी किसी भी भोग-विलास तथा ऐश्वर्य की इच्छा नहीं । केवल एक इच्छा है, वह यह कि एक बार श्रद्धापूर्वक तुम्हारे चरणों की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना लेता। किंतु यह इच्छा पूर्ण होती नहीं दिखाई देती और तुम्हें मेरी मृत्यु की दुखभरी खबर सुनाई जाएगी। माँ ! मुझे विश्वास है कि तुम यह समझ कर धैर्य धारण करोगी कि तुम्हारा पुत्र माताओं की माता या भारत माता की सेवा में अपने जीवन को बलि देवी की भेंट कर गया और उसने तुम्हारी कोख कलंकित न की अपनी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहा । जब स्वाधीन भारत का इतिहास लिखा जाएगा तो उसके किसी पृष्ठ पर उज्ज्वल अक्षरों में तुम्हारा भी नाम लिखा जाएगा। गुरु गोबिंदसिंह जी की धर्मपत्नी ने जब अपने पुत्रों की मृत्यु की खबर सुनी तो बहुत प्रसन्न हुई थीं और गुरु के नाम पर धर्म – रक्षार्थ अपने पुत्रों के बलिदान पर मिठाई बाँटी थी। जन्मदात्री ! वर दो कि अंतिम समय भी मेरा हृदय किसी प्रकार विचलित न हो।

प्रश्न-
(क) लेखक कौन – सी इच्छा पूर्ण करना चाहता था ?
(ख) लेखक कौन-सी प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहे ?
(ग) "मेरा हृदय किसी प्रकार विचलित न हो" वाक्य अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : (क) लेखक अपनी माँ की सेवा करके अपने जीवन को सफल बना लेना चाहते थे।
(ख) लेखक भारत के स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी थे। भारत माता की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने की प्रतिज्ञा पर दृढ़ रहे ।
(ग) रामप्रसाद 'बिस्मिल' ने हँसते-हँसते अंग्रेज़ों के अत्याचार सहे। आजीवन स्वतंत्रता के लिए अंग्रेज़ों से लड़ते रहे। व्यक्तिगत स्वार्थ एवं भोग-विलास को त्याग वे देश भक्ति और बलिदान के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक चले । अपने हृदय में भारत माता की रक्षा और स्वतंत्रता का प्रण लिया। अंग्रेज सरकार द्वारा उन्हें फाँसी की सजा दी गई। असाधारण प्रतिभा के धनी रामप्रसाद 'बिस्मिल' अंत समय तक अंग्रेज़ों के विरुद्ध डटे रहे और सहर्ष शरीर त्याग किया।

*** प्रश्नों के उत्तर सक्षिप्त रूप में लिखो (3 Mark)** [9]

18. बिस्मिल की माता जी जब ब्याह कर आईं तो उनकी 'आयु काफ़ी कम थी।
(क) फिर भी उन्होंने स्वयं को अपने परिवार के अनुकूल कैसे ढाला?
(ख) उन्होंने अपनी इच्छाशक्ति के बल पर स्वयं को कैसे शिक्षित किया?

जवाब : (क) बिस्मिल की माँ ग्यारह वर्ष की उम्र में विवाहित होकर अपनी ससुराल आई थी। उन्होंने लगन से जल्द ही गृहकार्य सीख.. लिया और परिवार के काम-काज को कुशलतापूर्वक करने लगीं। बिस्मिल के जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद उन्होंने हिंदी पढ़ना सीख लिया था। आगे चलकर बिस्मिल और उनकी बहनों को भी पढ़ाना शुरू कर दिया था।
(ख) माता जी की इच्छाशक्ति दृढ़ थी । विवाह के कुछ वर्षों बाद उन्होंने घर पर ही शिक्षित सहेलियों के संपर्क में देवनागरी की किताबें पढ़ना सीख लिया। माताजी अत्यंत परिश्रमी थीं। गृहकार्य कर चुकने के बाद जो समय मिल जाता, वे उसमें पढ़ाई-लिखाई करतीं । इस प्रकार माताजी ने प्रबल इच्छाशक्ति का उदाहरण प्रस्तुत किया।

19. रामप्रसाद 'बिस्मिल' अपने जीवन के अंतिम समय में अपनी माँ का स्मरण कर भावुक हो उठते हैं – अपने विचार प्रकट कीजिए ।

जवाब : 'बिस्मिल' जी अपनी माँ द्वारा किए गए त्याग को स्मरण करते हैं। अपनी आत्मकथा 'मेरी माँ' में बिस्मिल कहते हैं कि उनके चरित्र निर्माण में माँ ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी दी गई शिक्षा के कारण बिस्मिल बड़े-से-बड़े संकटों में भी अधीर नहीं हुए। अपनी प्रेमपूर्ण वाणी और व्यवहार से माँ ने अपने बेटे को हमेशा देश-प्रेम, साहस और सत्य के पथ पर चलने की प्रेरणा दी। माँ की कृपा के कारण उन्होंने अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त किया। जीवन के अंतिम समय में वे अपनी माताजी के श्रीचरणों में बैठकर उनकी सेवा करने की इच्छा रखते हैं। जिसे प्रेम और दृढ़ता के साथ उनका जीवन सुधारा, उसका ऋण उतारने का प्रयत्न करने का भी अवसर बिस्मिल जी को न मिला। अपनी माँ की दया से देश सेवा में संलग्न हो सके। इन्हीं विचारों और भावनाओं को महसूस कर बिस्मिल भावुक हो उठते हैं।

20. बलिदानी श्री रामप्रसाद 'बिस्मिल' के किन गुणों ने आपको प्रभावित किया और क्यों?

जवाब : देशप्रेम : बिस्मिल जी का जीवन किसी भी उस व्यक्ति के लिए देश की रक्षा का प्रेरणा स्रोत बन सकता है जो देश से प्रेम करता है। उनका गीत 'सरफरोशी की तमन्ना' आज भी नई पीढ़ी को देश के लिए मर मिटने की भावना से ओतप्रोत कर देता है। मेरे जीवन का लक्ष्य भारतीय सेना में जाना है और मेरा मानना है कि महान वीर क्रांतिकारी 'बिस्मिल' के त्याग, देशप्रेम और सेवाभाव के मूल्य, विद्यार्थियों में नव जाग्रति उत्पन्न करते हैं।
अदम्य साहस 'बिस्मिल' जी का व्यक्तित्व साहस और निडरता से भरपूर था। वे सिखाते हैं कि देश – भक्ति की राह में संघर्षों और मृत्यु से क्या डरना ! हिम्मत और हौंसले के साथ जीवन में आगे बढ़े और कुर्बान होने का भी अलग आनंद है।
मातृप्रेम : माँ के चरणों को 'बिस्मिल' जी ने अपना संसार माना। वे अपने जीवन को सुधारने, देशसेवा में संलग्न होने, धार्मिक और आत्मिक उन्नति का श्रेय अपनी जन्मदात्री माँ को देते हैं। जिस प्रकार 'बिस्मिल' जी ने अपनी माँ के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अगाध प्रेम और योगदान के विचार, दिल को छू लेने वाले हैं।.. इस प्रकार बिस्मिल जी के उच्च आदर्श और गुण प्रभावित करते हैं।

* **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (2 Mark)** **[14]**

21. बिस्मिल को साहसी बनाने में उनकी माता जी ने कैसे सहयोग दिया?

जवाब : बिस्मिल के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी माता ने बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने जीवन के हर कदम पर अपने सुपुत्र बिस्मिल को प्रोत्साहित किया। छोटी उम्र में ही अपनी माता जी से प्रेरणा लेकर बिस्मिल साहस, वीरता और देश सेवा के पथ पर चले । जन्मभूमि पर न्योछावर होने वाले पुत्र पर उन्हें गर्व था। संकटों में भी उन्होंने अपने पुत्र को अधीर नहीं होने दिया ।

22. आज से कई दशक पहले बिस्मिल की माँ शिक्षा के महत्व को समझती थीं, बताइए कैसे?

जवाब : बालक बिस्मिल में प्रेम, साहस और दृढ़ता के भाव उनकी माँ ने भरे थे। कम उम्र में विवाह हो जाने के बाद भी उनकी माँ अपनी इच्छाशक्ति के बल पर स्वयं को शिक्षित करती रहीं। कुछ वर्षों बाद उन्होंने बिस्मिल और उनकी छोटी बहनों को भी पढ़ाया-लिखाया। अपनी शिक्षा और वाणी से बिस्मिल के जीवन मूल्यों मैं सुधार किया। माँ के प्रोत्साहन का ही परिणाम था कि रामप्रसाद धर्म के मार्ग पर चलकर उत्तम शिक्षा ग्रहण कर सके।

23. हम कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली थीं?

जवाब : हाँ, रामप्रसाद बिस्मिल जी की माँ स्वतंत्र और उदार विचारों वाली सशक्त महिला थीं। बिस्मिल को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहती थीं। शिक्षादि के अतिरिक्त वे उन्हें देशसेवा हेतु विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने में उत्साहित करतीं । बिस्मिल की बहनों को भी छोटी आयु में उनकी माँ ही शिक्षा दिया करती थीं। अपनी माँ के स्वतंत्र और उदार विचारों के कारण वे स्वाधीनता संग्राम की क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग ले सके और माँ भारती को गुलामी की जंजीरों से मुक्ति दिलाने के लिए संकल्पवान बने ।

24. हम लेखन में शब्दों को मिलाकर छोटा बना लेते हैं जिससे समय, स्याही, कागज़ आदि की बचत होती है। संक्षेपीकरण मानव का स्वभाव भी हैं। इस पाठ से ऐसे शब्द खोजकर सूची बनाइए।

जवाब :

1. डाँट-फटकार
2. काम-काज
3. उठना-बैठना
4. अंदर-बाहर
5. देश सेवा
6. पालन-पोषण

25. बिस्मिल ने पिताजी के वकालतनामे पर हस्ताक्षर करने से क्यों इंकार कियां?

जवाब : एक बार बिस्मिल के पिताजी दीवानी मुकदमे में वकील से कह गए कि जो काम हो वह उनकी अनुपस्थिति में बिस्मिल से करा लें। बिस्मिल ने वकालतनामे पर पिताजी के हस्ताक्षर करने से मना कर दिया क्योंकि यह तो धर्म विरुद्ध होगा । सत्य का आचरण करने वाले बिस्मिल जी ने इस कार्य को पाप माना।

26. प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी भगतसिंह ने बिस्मिल के बारे में क्या कहा?

जवाब : "रामप्रसाद 'बिस्मिल' जी बड़े होनहार थे। क्रांतिकारी होने के साथ-साथ, वे महान साहित्यकार व लेखक भी थे। जानने वाले कहते हैं कि यदि किसी और जगह या किसी और देश या किसी और समय पैदा हुए होते तो सेनाध्यक्ष बनते ।" यह कहना था स्वतंत्रता सेनानी भगतसिंह का।

27. बिस्मिल जी ने कौन-सी आत्मकथा लिखी? इसका क्या प्रभाव पड़ा ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

जवाब : बिस्मिल द्वारा लिखी आत्मकथा का नाम है 'निज – जीवन की एक छटा।' इस आत्मकथा के कारण अंग्रेज़ बिस्मिल को फाँसी देने के बाद भी हरा न सके। बिस्मिल भारतीय जनमानस में अमर हो गए।

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए (1 Mark)** [2]

28. रामप्रसाद 'बिस्मिल' में जो कुछ जीवन तथा साहस आया, वह किसकी कृपा का फल था ?

जवाब : रामप्रसाद 'बिस्मिल' जी ने माता जी एवं गुरुदेव श्री सोमदेव जी की कृपा से कुछ जीवन और साहस पाया ।

29. इस पाठ से विद्यार्थियों को क्या प्रेरणा मिलती है ?

जवाब : पाठ हमें जन्मदात्री माँ के प्रति आदर और प्रेम की भावना सिखाता है। माताओं की माता 'माँ भारती' की सेवा और उनकी रक्षा व स्वतंत्रता के लिए बलिदान हो जाने की प्रेरणा देता है।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in